नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना अत्यावश्यक

मध्यप्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग के जॉइंट डायरेक्टर लक्ष्मी नारायण कंडवाल के यहां लोकायुक्त की कार्रवाई में जिस प्रकार आय से अधिक संपत्ति का मामला सामने आया है, उसने एक बार फिर सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और अवैध संपत्ति अर्जित करने की प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. प्रारंभिक जांच में लगभग 10.83 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता चलना और उसे उनकी अनुमानित वैध आय से 333 प्रतिशत अधिक बताया जाना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सतत और कठोर कार्रवाई कितनी आवश्यक है.

लोकायुक्त की टीम द्वारा इंदौर स्थित आवास, जिम सेंटर, डिपार्टमेंटल स्टोर और अन्य स्थानों पर की गई छापामार कार्रवाई में जिस तरह संपत्तियों, निवेशों, बैंक खातों और लॉकरों से जुड़े दस्तावेज सामने आए हैं, वह इस बात का संकेत है कि जांच अभी और कई महत्वपूर्ण खुलासे कर सकती है. इंदौर और धार जिले में प्लॉट, कृषि भूमि, व्यावसायिक प्रतिष्ठान तथा परिजनों के नाम दर्ज संपत्तियों की जांच से यह स्पष्ट होगा कि वास्तविक निवेश का स्रोत क्या था और संपत्ति अर्जित करने की प्रक्रिया कितनी वैध थी.

यह मामला केवल एक अधिकारी तक सीमित नहीं माना जाना चाहिए. देश और प्रदेश में समय-समय पर आय से अधिक संपत्ति के अनेक मामले सामने आते रहे हैं. दुर्भाग्य से सरकारी सेवा को जनसेवा का माध्यम मानने के बजाय कुछ लोग उसे व्यक्तिगत संपत्ति अर्जित करने का साधन बना लेते हैं. जब किसी अधिकारी की घोषित आय और वास्तविक संपत्ति के बीच इतना बड़ा अंतर दिखाई देता है, तब जनता के मन में व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठते हैं. विशेष चिंता का विषय यह है कि महिला एवं बाल विकास विभाग समाज के सबसे संवेदनशील वर्गों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के कल्याण से जुड़ा विभाग है. ऐसे विभागों में कार्यरत अधिकारियों से ईमानदारी, संवेदनशीलता और उच्च नैतिक मानकों की अपेक्षा की जाती है. यदि वहां भी भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते हैं तो यह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं, बल्कि जनविश्वास को ठेस पहुंचाने वाला विषय बन जाता है.

हालांकि किसी भी व्यक्ति को अंतिम रूप से दोषी मानने से पहले निष्पक्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करना आवश्यक है. लोकायुक्त की कार्रवाई प्रारंभिक जांच का हिस्सा है और अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने तथा कानूनी प्रक्रिया के बाद ही सामने आएंगे. लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ऐसे मामलों में जांच समयबद्ध, निष्पक्ष और प्रभावी हो, ताकि दोषी पाए जाने वालों को कड़ी सजा मिले और ईमानदार अधिकारियों की प्रतिष्ठा भी सुरक्षित रहे. राज्य सरकार और जांच एजेंसियों के लिए यह अवसर है कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करें. डिजिटल निगरानी, संपत्ति के नियमित सत्यापन, पारदर्शी प्रशासनिक प्रक्रियाओं और त्वरित कानूनी कार्रवाई के माध्यम से ऐसे मामलों पर अंकुश लगाया जा सकता है. जनता भी यही अपेक्षा करती है कि भ्रष्टाचार चाहे किसी भी स्तर पर हो, उसके खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई हो.

लोकायुक्त की यह कार्रवाई एक स्पष्ट संदेश देती है कि अवैध संपत्ति और भ्रष्टाचार के मामलों को अब आसानी से छिपाया नहीं जा सकता. सुशासन की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम है, बशर्ते जांच अपने तार्किक और न्यायपूर्ण निष्कर्ष तक पहुंचे तथा दोषियों को कानून के अनुसार दंड मिले. यही लोकतांत्रिक प्रशासन की विश्वसनीयता और जनता के विश्वास को मजबूत करने का सबसे प्रभावी मार्ग है.

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रसेवा को चुना

राजेन्द्र शुक्ल

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ क्षण ऐसे आते हैं, जो केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होते, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं और विश्वास का प्रतीक बन जाते हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के देश की जनता के निरंतर विश्वास के साथ ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त कर लंबे समय तक राष्ट्र का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त करना ऐसे ही गौरवपूर्ण क्षणों में से एक है. यह केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण के संकल्प, सेवा और सुशासन की विजय है.

> आज प्रत्येक भारतीय गर्व के साथ कह सकता है कि उसका देश विश्व पटल पर नई ऊँचाइयों को छू रहा है .व्यक्तिगत रूप से मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे ऐसे युगनायक नेतृत्व के साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है. भारतीय चिंतन में आदर्श नेतृत्व का आधार सदैव लोककल्याण और राष्ट्रहित रहा है. 'प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हि हिते हितम्. नात्मवप्रियं हि राज्ञः प्रजानां नु वप्रियं हितम्॥' शासक का सुख प्रजा के सुख में और उसका हित प्रजा के हित में निहित होता है. प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जनसेवा, सुशासन और राष्ट्र प्रथम की यह भावना लगातार परिलक्षित होती है .मध्यप्रदेश और वांध्य की जनता की ओर से मैं उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वे उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और राष्ट्रसेवा की अक्षुण्ण ऊर्जा प्रदान करें, ताकि उनके नेतृत्व में भारत विकसित, आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर रहे.

प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च साधन बनाया. उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी नई पहचान स्थापित की है. आज विश्व भारत को केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति, विश्वसनीय साझेदार और भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में देखता है. अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली हुई है, और यह परिवर्तन प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच तथा निर्णायक नेतृत्व का परिणाम है. प्रधानमंत्री मोदी जी का देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में स्थापित होना केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, यह भारत की जनता के अटूट विश्वास और स्नेह का प्रतीक है. निरंतर जनसमर्थन किसी पद या प्रचार से नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, पारदर्शिता, निर्णायक नेतृत्व और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की कार्यशैली से हासिल होता है. प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वयं को सदैव 'प्रधानसेवक' के रूप में प्रस्तुत किया और गरीब, किसान, महिला, युवा तथा समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सतत प्रयास किया. यही कारण है कि देश की जनता ने बार-बार उन पर अपना विश्वास व्यक्त किया. उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, अथक कार्यशक्ति, दूरदर्शी सोच और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का स्पष्ट संकल्प करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करता है तथा उन्हें जन-जन का सच्चा नेता बनाता है.प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, रक्षा क्षमता, अंतरिक्ष विज्ञान और आर्थिक सुधारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है. जननी, उज्जवला, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर जल, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम किसान सम्मान निधि और डिजिटल इंडिया जैसे अनेक कार्यक्रमों ने करोड़ों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है.

शासन की योजनाएँ पहली बार अंतिम पायदान में खड़े व्यक्ति तक पारदर्शी ढंग से पहुँची हैं.भारतीय संस्कृति और आस्था के पुनर्जागरण का यह कालखंड इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा. अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करोड़ों भारतीयों की सदियों पुरानी आस्था का पूर्ति क्षण था. यह केवल मंदिर निर्माण नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और आत्मगौरव का पुनस्थापन था.जम्मू-कश्मीर से संबंधित ऐतिहासिक निर्णयों ने राष्ट्रीय एकीकरण को नई मजबूती प्रदान की. विकास और लोकतंत्र की मुख्यधारा से जुड़ते हुए जम्मू-कश्मीर आज नए अवसरों की ओर अग्रसर है. प्रधानमंत्री जी ने यह सिद्ध किया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और स्पष्ट नीति के साथ कठिन से कठिन निर्णय भी राष्ट्रहित में लिए जा सकते हैं.

मध्यप्रदेश को प्रधानमंत्री मोदी का विशेष स्नेह और मार्गदर्शन लगातार लाभ प्रदान करता रहा है. प्रदेश में सड़क, रेल, सिंचाई, ऊर्जा, शहरी विकास और स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश एवं परियोजनाओं ने विकास को नई गति दी है. प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से गरीब, किसान, महिला और युवाओं के जीवन में बदलाव लाने वाले अनेक योजनाओं का प्रभाव प्रदेश के प्रत्येक जिले तक पहुँचा है.वांध्य क्षेत्र और विशेष रूप से मेरा गृहक्षेत्र रवा भी इस परिवर्तनकारी यात्रा का साक्षी बना है. रवा अकरा मेगा सोलर पावर प्रोजेक्ट ने न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई. यह परियोजना प्रधानमंत्री जी के उस दृष्टिकोण का प्रतीक है जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलते हैं.

(लेखक मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री हैं)

महाकौशल की डायरी

आपराधिक रिकॉर्ड ने बिगाड़ा भाजयुमो अध्यक्ष की कुर्सी का खेल...

अविनाश दीक्षित

भारतीय जनता युवा मोर्चा के ग्रामीण और शहर अध्यक्ष की दौड़ को आपराधिक रिकॉर्ड और गुटबाजी ने बिगाड़कर रख दिया है. अंदरूनी चर्चाओं की मानें तो सूची भोपाल भेजी जा चुकी है और करीब 10 से 15 दिनों में दावेदारों के नाम पर मुहर भी लग जाएगी मगर खबर ये भी निकलकर आ रही है कि कहीं किसी भाजपा के दिग्गज ने आपत्ति लगाई तो सारी नियुक्ति फिर से थम जाएंगीं. मौजूदा हालातों में संगठन के भीतर अनुशासन की दीवारें ढहती नजर आ रही हैं और गुटों के बीच अंदरूनी खींचतान चरम पर पहुंच गई है. दोनों क्षेत्रों के लिए दावेदारों की सूची बेहद लंबी है, लेकिन सबसे ऊपर सिर्फ बड़े भाजपा नेताओं के पुत्रों और उनके परिजनों के नाम चल रहे हैं. बीच में कुछ नाम फाइनल होने की चर्चा थी, लेकिन तभी दावेदारों के आपराधिक रिकॉर्ड और आपसी शिकायतों का पुलिंदा संगठन के शीर्ष नेतृत्व के पास पहुंच गया. इसके बाद से ही पूरी चयन प्रक्रिया रुक गई है. इस रस्साकशी के कारण जमीन पर काम करने वाले आम युवाओं को अपना नेतृत्व और प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है. उधर गुटीय राजनीति के चलते एक-दूसरे को पटखनी देने के लिए जमकर गुप्त शिकायतें की गईं. आपराधिक छवि और अनैतिक कार्यों में संलिप्तता के दस्तावेज सामने आने के बाद प्रदेश नेतृत्व भी अब असमंजस में पड़ गया है.

इस पूरे मामले में युवा वर्ग खुद को ठगा सा महसूस कर रहा है. राजनैतिक विशेषज्ञों की माने तो जब तक शीर्ष नेतृत्व इस गतिरोध को तोड़ने के लिए कोई कड़ा फैसला नहीं लेता, तब तक यह अंदरूनी कलह शांत होने वाली नहीं है. अब देखना होगा कि संगठन अपने पुराने अनुशासन को वापस लाता है या फिर रसूखदार नेताओं के दबाव के आगे आत्मसमर्पण करता है.

इश्कबाजी के फेर में उलझे उप कुलसचिव...

हमेशा चर्चाओं से घिरे रहने वाला नैक द्वारा प्रदत्त ए ग्रेड का रानी दुर्गावती विश्व विद्यालय फिर एक बार चर्चा में आ गया है. अब चर्चा परीक्षा या विद्यालय के काम से नहीं जुड़ी है बल्कि उपकुलसचिव पर लगे इश्कबाजी के आरोप से यहां का माहौल गरमा गया है. जिसकी भनक भोपाल तक शिक्षा विभाग में पहुंच चुकी है. यह आरोप रादुविवि में काम करने वाले एक प्यून ने लगाए हैं. जबकि उपकुलसचिव ने प्यून के खिलाफ सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि प्यून वेतन वृद्धि बढ़वाने के लिए गाली गलौच कर रहा है और झूठे मामले में फंसा रहा है. मामले के सार्वजनिक होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं. कर्मचारियों का कहना है कि यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो यह न केवल एक कर्मचारी के सम्मान का मामला है, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय की छवि को धूमिल करने वाला विषय है. खबर है कि प्यून रविंद्र कुमार तिवारी ने आरोप लगाया है विवि के अधिकारी पवन साहू ने उसकी समस्या का समाधान निकालने की जगह शर्त रख दी कि अपनी पत्नी से मिलवाओ और वेतन वृद्धि पाओ. इस गंभीर आरोप के बाद विवि के गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है.

साहब ने तय किया अर्श से फर्श तक का सफर...

एक समय था जब पद से रिटायर होने के बाद भी पूर्व तहसीलदार के गिरेबां में जिला प्रशासन या पुलिस महकमा हाथ डालने से कतराता था, जानकारी सभी को थी कि पूर्व तहसीलदार की तमाम होटलों, रिसॉर्ट में प्रेमी युगल आते थे जिनमें से किसी की आईडी ली जाती थी तो किसी की नहीं....लेकिन बीते कुछ दिन दबदबेदार पूर्व तहसीलदार विवेक त्रिपाठी के लिए काल बनकर आया जिसने साहब को जेल तक की हवा खिला दी. हुआ यूं कि सबसे पहले साहब की होटल में एक हिंदु युवती के साथ एक मुस्लिम युवक मिला, जिसके बाद जबलपुर में बड़ा बवाल हुआ, इसके तुरंत बाद पूर्व तहसीलदार के बरेला थानांतर्गत नेंगई सिरौरा ग्राम स्थित निर्सग रिसॉर्ट के वाटर फॉल में करंट लगने से एक युवक की मौत हुई. जिसके बाद रिसॉर्ट को सील करने के बाद विवेक त्रिपाठी को जेल तक की हवा खानी पड़ गई. चर्चाएं तेज हैं कि साहब के होटलों में अनैतिक कामों की खबर जिला व पुलिस प्रशासन को लम्बे अर्से से थी. इसके अलावा चर्चा तो यह भी है कि होटल, रिसॉर्ट अवैध जमीन में निर्मित है मगर तानी गई ईमारतों की जांच की जहमत जिम्मेदारों ने नहीं उठाई. बहरहाल जानकारों का कहना है कि पूर्व तहसीलदार के कारनामों में सहयोग करने वाले जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को भी जांच की जद में लाना चाहिए तभी ये कहना मुनासिब होगा कि अब ऊंट आया है पहाड़ के नीचे .फिलहाल पूर्व तहसीलदार के खेमे में ये भी चर्चाएं व्याप्त हैं कि पता नहीं यार किसकी बुरी नजर साहब को लग गई है. जो ऐसे दिन देखना पड़ रहे हैं. कुल मिलाकर कहा जा सकता है अर्श से फर्श तक का सफर साहब ने हाल ही में देख लिया है.

शिक्षा संस्थानों के साथ बेरोजगारी भी बढ़ी

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया रिपोर्ट के अनुसार उच्च शिक्षा लेने वाले 1 लाख युवाओं के पीछे महाविद्यालयों की संख्या 2010 में 29 थी. 2021 में यह संख्या 45 पर चली गई. 18 से 25 वर्ष की आयु के युवाओं का उच्च शिक्षा हासिल करने का प्रमाण 2010 में 19 प्रतिशत था, जो अब 29 प्रतिशत के आसपास हो गया है. उच्च शिक्षा सुविधाओं में वृद्धि हुई है. मुख्य मुद्दा रोजगार से जुड़ा है. 2004 से 2023 तक 2 दशकों में देश में प्रतिवर्ष 50 लाख नए स्नातक तैयार हुए. इनमें से 28 लाख को रोजगार मिला लेकिन बाकी इससे वंचित रह गए. 25 से 29 वर्ष आयु समूह के युवाओं में 20 प्रतिशत बेरोजगार थे. एक पहलू यह भी है कि नौकरी तो मिल सकती है, लेकिन उसके लिए कौशलयुक्त या हुनरमंद युवक नहीं मिलते. जिन्हें काम दिया जाता है वह कुछ ही महीने में नौकरी छोड़ देते हैं. रोजगाराभिमुख शिक्षा देने की बात की जाती है, परंतु उसके लिए आवश्यक सुविधा और पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं. शिक्षा संस्थाओं व उद्योगों का समन्वय कम है. उद्योगों को अपनी जरूरत के मुताबिक कुशल युवा नहीं मिलते. इस समस्या को हल करना हो, तो उद्योग जगत और विश्वविद्यालय को मिलकर पाठ्यक्रम तैयार करना होगा तथा उसके अंतर्गत छात्रों को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देनी होगी. वह पढ़ते समय किसी उद्योग में अप्रेंटिसशिप करते हुए हुनर सीख सकेंगे. एक दिक्कत यह भी है कि लाखों रुपये फीस देकर पढ़ाई करने के बाद जब किसी युवक को प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपये की नौकरी मिलती है, तो उसका मन नहीं लगता. कोई मजबूरी हो तो बात अलग है. वरना कम वेतन वाली नौकरी उन्हें पसंद नहीं आती. आज की महंगाई में कोई युवक घर से बाहर दूसरे शहर में रहकर इतने कम वेतन में गुजारा नहीं कर सकता.

उद्योगों को अपनी जरूरत के मुताबिक कुशल युवा नहीं मिलते. इस समस्या को हल करना हो, तो उद्योग जगत और विश्वविद्यालय को मिलकर पाठ्यक्रम तैयार करना होगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

पार्टी के रवैये से भुजबल को रंज कबड्डी खेलता हूं न कि शतरंज

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, महाराष्ट्र के खाद्यान्न व आपूर्ति मंत्री छगन प भुजबल ने कहा कि मैं कबड्डी का खिलाड़ी हूं, शतरंज का नहीं! उनके इस कथन पर आपकी क्या राय है?'

हमने कहा, 'जहां तक शतरंज की बात है उसे खेलने में दिमाग लगता है, शारीरिक ताकत या फुर्ती नहीं! कबड्डी खेलने में चपलता के साथ दिमाग भी लगाना पड़ता है कि प्रतिपक्षी खिलाड़ी को कैसे घेरकर पकड़ा जाए ताकि वह बचकर निकलने न पाए. कबड्डी की रणनीति समझी जा सकती है लेकिन दिमाग में चल रही शतरंज की चाल को नहीं भांपा जा सकता. इस समय खेल की दुनिया में क्रिकेट और शतरंज दोनों ही चर्चित हैं. प्रज्ञानानंदा ने कार्लसन को मात दी. उन्होंने तमिलनाडु के सीएम विजय के साथ भी शतरंज की बाजी खेली. मुंशी प्रेमचंद ने 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी लिखी थी, जिस पर सत्यजीत राय ने इसी नाम की फिल्म बनाई थी. उसमें संजीव कुमार और सईद जाफरी ने शतरंज खेलने वाले नवाबों की भूमिका निभाई थी.'

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, छगन भुजबल ने राजनीति में खेली जाने वाली शतरंजी चाल पर फिकरा कसा है. वह चाहते थे कि उन्हें श्व राज्यसभा में भेजा जाए और बदले में उनके भतीजे समीर को महाराष्ट्र में कैबिनेट मंत्री बनाया जाए. उनका यह प्रस्ताव बीजेपी ने नजरअंदाज कर दिया. राज्यसभा के लिए उनकी पार्टी एनसीपी (अजीत) ने राजेंद्र जैन को प्रत्याशी बनाया.'

हमने कहा, 'भुजबल ने आज की राजनीति की हकीकत बता दी. उन्होंने कहा कि कई नेता लोकसभा और राज्यसभा में हैं और उनके बच्चे राज्य में मंत्री हैं. मेरे साथ भी ऐसा ही होना चाहिए था. भुजबल का इशारा एनसीपी (अजीत) के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे की ओर था. तटकरे रायगड़ से लोकसभा सदस्य हैं. उनकी बेटी अदिती तटकरे महाराष्ट्र की महिला व बालकल्याण मंत्री हैं. तटकरे का बेटा अनिकेत भी हाल ही में विधानपरिषद के लिए निर्वाचित हुआ है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, राजनीति में परिवारवाद एक हकीकत है. भुजबल पार्टी में सीनियर हैं व शरद पवार के साथ मिलकर उन्होंने एनसीपी बनाई थी, इसलिए जब मन की मुराद पूरी न हो तो दुख होता है. तभी उन्होंने कहा कि वह मैदानी खेल कबड्डी खेलते हैं, न कि शतरंजी चाल चलते हैं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12286
- डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3		■	4	5	6
7			■	8			
	■	9			■		■
10	11		■	12	13		14
■		■	15			■	
16				■	17		
■		■	18	19		■	
20					■	21	

बाएं से दाएं
1. नियम के विपरीत नियम (सं) 4. कोई काम सिद्ध करने की क्रिया या भाव, आराधना 7. पंक्ति 8. वीरान होना, बर्बाद होना 9. प्रवेश (उर्दू) 10. चांदी (सं.) 12. एक प्रकार की तोप जो घोड़ों द्वारा खींची जाती थी 15. यश, ख्याति (सं.) 16. सचेत, सतर्क, होशियार (सं.) 17. लोहे का काम करने वाली एक उपजाति 18. एक शब्दालंकार जिसमें एक ही शब्द कई बार भिन्न-भिन्न अर्थों में आता है (सं.) 20. घोड़े का बोलना 21. दरवाजा (सं.)

ऊपर से नीचे
1. बड़ा, महान, भारत के मुगल राजवंश का महान शासक 2. ठिकाना, स्थितिसूचक चिन्ह, खोज 3. भीषण या विकट दुर्घटना, दंगा-फसाद 4. सजावट, ठाटबाट 5. दिल का धक-धक करना, धड़-धड़ होना 6. अनेक प्रकार के, अनेक, माता का पिता 8. उपालंभ 11. देश निकाले का दंड पाया हुआ, निर्वासित (उर्दू) 13. यमपुरी (सं.) 14. लहरोंवाला, जो बल खाता गया हो, वक्रगति से जाने वाला 15. जनक की पत्नी का नाम, सुंदर नेत्रों वाली, नारी (सं.) 19. निषिद्ध, वर्जित

Solution 12285

दि	ल	ज	म	ई	■	द	वा
गं	वा	र	■	द	ह	श	त
त	■	ई	■	गा	ज	र	■
र	म्य	■	रा	ह	■	थ	ल
■	■	स	ज	■	पा	■	ड़
रा	ज	मा	ता	■	ग	■	क
श	■	चा	■	न	ल	कू	प
न	ज	र	बं	दी	■	रा	न

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्रों और भाईयों के सहयोग से कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, मान प्रतिष्ठा बढेगी, वाहन का सुख मिलेगा, राजनैतिक क्षेत्र में वृद्धि होगी, धन संकट का सामना करना पडेगा, शिक्षा में व्यवधान आयेगा, वर्ष के अन्त में व्यापार में प्रगति होगी, कार्यप्रणाली लेखन और साहस में सफलता मिलेगी, प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को वाहन का सुख मिलेगा, राजनैतिक कार्यों में असुविधाओं का सामना करना पडेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को लेखन अध्ययन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को पराक्रम का सामना करना होगा, मकर ओर कुंभ राशि के व्यक्तियों का कार्य क्षेत्र में वृद्धि होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को जायजाद संबंधी कार्यो में परेशानी होगी, मतभेदों में वृद्धि होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, व्यक्तित्ववान रहेगा, शरीर से कोमल एवं भावुक होगा, दूसरों को शीघ्रता से अपनी ओर आकर्षित करने वाला, पितापक्ष को आगे बढ़ाने वाला होगा. जन्म स्थान के पास ही अपना भाग्योदय करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

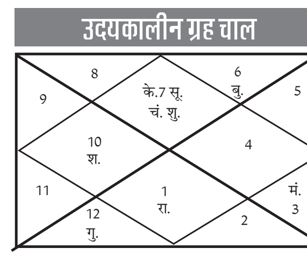

पंचांग

रा.मि. 22 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण द्वादशी भृगुवासरे दिन 3/51, भरणी नक्षत्रे रात 1/35, अतिगण्ड योगे रात 7/11, तैतिल करणे सू.उ. 5/13, सू.अ. 6/47, चन्द्रचार मेष, पर्व- प्रदोष व्रत, शु.रा. 1,3,4,7,8,11 अ.रा. 2,5,6,9,10,12 शुभांक- 3,5,9.

व्यापार भविष्य

अधिक ज्येष्ठ कृष्ण द्वादशी को भरणी नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, रूई, कपास, चांवल, नमक, सरसों, अलसी, गेहूॅ, जौ, चना, के भाव में वृद्धि होगी. गुड़, खांड, शक्कर, के भाव में साधारण उठाव रहेगा, लाल रंग की वस्तुओं में तेजी होगी. भाग्यांक 2612 है.

मेष- काम की धीमी गति परेशान करेगी, रूके कार्य सुलझने के आसार है, राजकीय कार्यो में सफलता मिलेगी, पारिवारिक मतभेदों से बचने का प्रयास करें.

वृषभ- नए कामकाज की शुरूआत में परिवार का सहयोग मिलेगा, युवाओं को कैरियर के बेहतर प्रस्ताव मिलेंगे, सम्मान की प्राप्ति होगी.

मिथुन- जिम्मेदारी उठाने में नाकाम रहेंगे, कौटुम्बिक मामलों में सावधानी रखें, अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा,संतान की चिन्ता रहेगी.

कर्क- परिचितों की मदद के लिये जमा पूॅजी खर्च कर देंगे, ज्यादा दौड़धूप से खिन्नता होगी, साहस पराक्रम में वृद्धि होगी, अतिथि आगमन होगा, सुख साधनों में व्यय होगा.

सिंह- मजबूती के साथ अपनी बातें कह दें, बात सम्हल जायेगी, वाहन चलाते समय सावधानी रखें, कार्यो पर ध्यान देना हितकर रहेगा.

कन्या- जिद में आकर अपना नुकसान कर लेंगे, छोटी सी बात पर कहासुनी हो सकती है, पारिवारिक मतभेद होंगे, फिजूलखर्ची से बचें.

तुला- काम को टालने से समस्या बढ़ सकती है, नए संपर्क का लाभ मिलेगा, किसी कार्य में परिश्रम होगा, लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होने का योग है.

वृश्चिक- सामाजिक जीवन में बड़ी जिम्मेदारी आ सकती है, व्यापार व्यवसाय को आगे बढ़ाने का प्रयास होगा, मांगलिक कार्यो की रूपरेखा बनेगी.

धनु- दूसरों की बातों में आकर अपनों को विरोधी बना लेंगे, लेनदेन के मामले सुलझेंगे, धार्मिक कार्यो में खर्च होगा, निजी पुरूषार्थ से काम बनेगा.

मकर- कानूनी मामले सुलझने से राहत मिलेगी, व्यापारिक सौदे लाभदायी हो सकते हैं, धार्मिक एवं आर्थिक कार्य बनेगा, मन में शांति और संतोष रहेगा.

कुम्भ- अटकी योजनाओं को पूरा करना मुश्किल होगा, भावनाओं में बहकर अपना नुकसान कर लेंगे, राजकीय क्षेत्र में सफलता मिलेगी, पारिवारिक मतभेदों से बचें.

मीन- कार्यक्षेत्र में चल रहा गतिरोध दूर होगा, अतिथि आगमन होगा, अनसोचे कार्यों में व्यस्तता रहेगी, झूठे आरोपों से बचने का प्रयास करें.

SUDOKU 7418

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7417

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6